विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 4 सितंबर 2020

वर्ग सप्तम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

षष्ठः **पाठः**

मया सह चल।क्षेत्राणि जलेन सिञ्चाव।

मेरे साथ चलो। खेतों को जल से सींचों।

श्यामः प्रत्यावदत्- अधुना तु अहं विश्रामं करोमि।

श्याम फिर बोला अभी तो मैं विश्राम करता हूं।

त्वं चल। विश्रामं कृत्वा अहं अवश्यमेव आगमिष्यामि।

तुम चलो। विश्राम करके मैं अवश्य ही आऊंगा।

एवं रामः तस्य क्षेत्रं जलेन असिञ्चत।

और राम उसके क्षेत्र को जल्द से सींचा।

किञ्चित् समये पश्चात् शस्यं कर्तितुं समये आगच्छत्।

कुछ समय के पश्चात फसल को काटने का समय आ गया।

उद्यमी रामः मित्रस्य समीपं गत्वा अवदत्-हे श्याम!

परिश्रमी राम ने मित्र के समीप जाकर बोला-हे श्याम!

त्वम् मम मित्रं असि,इत्यर्थं वदामि।

तुम मेरा मित्र हो इसीलिए बोलता हूँ।

मा प्रमदः पक्वं शस्यं कर्तितुं समयः एषः।

आलस मत करो पके हुए फसल को काटने का उचित समय यही है

यदि अध त्वं क्षेत्रं न गच्छति तर्हि श्वः वृष्टिः त्वं शस्यम् नाशयिस्यति।

यदि आज तुम खेत नहीं जाते हो तो कल तुम्हारा वर्षा से फसल बर्बाद हो जाएगा।